दैनिक
किदवई नगर समाचार
खबर हमारी, फैसला आपका
RNI. NO. - UPHIN/2019/7858:

: 163 कानपुर, रविवार 26 फरवरी 2023 पृष्ठ : 8

एक दिवसीय कृषि मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन

किदवई नगर समाचार
संवाददाता

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर द्वारा, दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डा0 पीके राठी एवं उप निदेशक कृषि अरूण चौधरी द्वारा किया गया। अतिथियों ने मेले प्रांगण में लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर केंद्र की वरिश्ठ वैज्ञानिक डा0 मिथिलेश वर्मा ने कहा कि प्राकृतिक खेती का परीक्षण केंद्र पर सफलतापूर्वक किया जा रहा है वहीं डा0 पीके राठी ने कृषि विज्ञान केंद्र की सराहना की और कहा कि विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढा है जियके कारण खेतिहर मजदूरो की कमी की वजह से यह एक आवश्यकता भी बन गयी है। मृद वैज्ञानिक डा0 खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की विधियों की जानकारी किसानों को धीरे धीरे हो रही है। उनहोने कहा कि फसल प्रबधन हेतु किसानों में अब जागरूकता ढी है। कार्यक्रम का संचालन गृह वैज्ञानिक डा0 निमिषा अवस्थी द्वारा कया गया। प्शुलान वैाानिक डा0 एसएल वर्मा ने कहा कि छोटे छोटे टुकडों में काटकर वास्तु से उपचारित कर चारा के रूप् में प्रयोग में लाया जा सकता है। फसल अवशेषों का मशरूम की खेती में सार्थक प्रयोग किया जा रहा है। उन्होने किसानों से अपील की है कि वह फसल अवशेष प्रबंधन के उपायों को अवश्य अपनाये। इस अवसर पर डा0 अरूण कुमार सिंह, डा0 विनोद प्रकाश, कृषि विभाग के अधिकारियों सहित 650 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

रीडर्स मैसेंजर
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
लखनऊ, रविवार, 26 फरवरी , 2023

एक दिवसीय कृषि मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन

रीडर्स मैसेंजर नेटवर्क

कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर द्वारा, दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डा0 पीके राठी एवं उप निदेशक कृषि अरूण चौधरी द्वारा किया गया। अतिथियों ने मेले प्रांगण में लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर केंद्र की वरिश्ठ वैज्ञानिक डा0 मिथिलेश वर्मा ने कहा कि प्राकृतिक

खेती का परीक्षण केंद्र पर सफलतापूर्वक किया जा रहा है वहीं डा0 पीके राठी ने कृषि विज्ञान केंद्र की सराहना की और कहा कि विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढा है जियके कारण खेतिहर मजदूरो की कमी की वजह से यह एक आवश्यकता भी बन गयी है। मृद वैज्ञानिक डा0 खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की विधियों की जानकारी किसानों को धीरे धीरे हो रही है। उनहोने कहा कि फसल प्रबधन हेतु किसानों में अब जागरूकता ढी है। कार्यक्रम का संचालन गृह वैज्ञानिक डा0 निमिषा अवस्थी द्वारा कया गया। प्शुलान वैाानिक डा0 एसएल वर्मा ने कहा कि छोटे छोटे टुकडों में काटकर वास्तु से उपचारित कर चारा के रूप् में प्रयोग में लाया जा सकता है। फसल अवशेषों का मशरूम की खेती में सार्थक प्रयोग किया जा रहा है। उन्होने किसानों से अपील की है कि वह फसल अवशेष प्रबंधन के उपायों को अवश्य अपनाये। इस अवसर पर डा0 अरूण कुमार सिंह, डा0 विनोद प्रकाश, कृषि विभाग के अधिकारियों सहित 650 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

जंगलराज से मुक्ति चाहिए तो 2024 में फिर... 12

'भाजपा की सोच एक भारत श्रेष्ठ भारत' 05

जन एक्सप्रेस

@janexpressnews janexpresslive janexpresslive www.janexpresslive.com/epaper

लखनऊ
वर्षः 14 | अंकः 136
मूल्यः ₹3.00/-
पेज : 12+2 (वेब संस्करण)
रविवार | 26 फरवरी, 2023

फसल अवशेष प्रबंधन के बारे में किया जागरूक

जन एक्सप्रेस, कानपुर नगर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय द्वारा संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर बीते दिन शनिवार को फसल अवशेष प्रबंधन योजना के अंतर्गत एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन हुआ। जिसका शुभारंभ मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डॉ.पी.के.राठी एवं उप निदेशक कृषि अरुण चौधरी ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा ने केंद्र की गतिविधियों पर बताते हुए कहा कि प्राकृतिक खेती का परीक्षण केंद्र पर सफलतापूर्वक करने के साथ किसानों के लिए प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। सह निदेशक प्रसार डॉ. पी.के.राठी ने कहा कि पिछले एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढ़ा है। जिसकी वजह से भारी मात्रा में फसल अवशेष खेत में पड़ा रहता है। मृदा वैज्ञानिक डॉ.खलील खान ने बताया कि फसल प्रबंधन पर किसानों में जागरूकता बढ़ी है इसकी विधियों की जानकारी किसानों को धीरे-धीरे हो रही है। वैज्ञानिक डॉ.अरुण कुमार सिंह, डॉ.विनोद प्रकाश सहित 650 से अधिक किसान मौजूद रहे।

वर्ष 17 अंक 56 पृष्ठ-8 मूल्य-1 रू0 कानपुर, रविवार 26 फरवरी 2023

कानपुर व औरैया से एक साथ प्रकाशित, लखनऊ, इलाहाबाद, बुंदेलखंड, फतेहपुर, इटावा, कन्नौज, मैनपुरी,ऐटा, हरदोई, उन्नाव,कानपुर देहात में प्रसारित

RNI N.UPHIN/2007/27090

दैनिक नगर छाया

आप की आवाज़.....

फसल अवशेष प्रबंधन पर हुआ एक दिवसीय किसान मेले का आयोजन

कानपुर (नगर छाया समाचार)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा संचालित दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर आज फसल अवशेष प्रबंधन योजना अंतर्गत एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी एवं उप निदेशक कृषि श्री अरुण चौधरी कानपुर नगर द्वारा दीप प्रज्वलित कर प्रारंभ किया गया। तत्पश्चात मेला प्रांगण में लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया। इस अवसर पर केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने कार्यक्रम में अतिथियों का स्वागत करते हुए केंद्र की गतिविधियों पर विस्तार से बात रखी। डॉक्टर वर्मा ने कहा कि प्राकृतिक खेती का परीक्षण केंद्र पर सफलतापूर्वक किया जा रहा है किसानों के लिए प्राकृतिक खेती के प्रशिक्षण एवं जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किए जा रहे हैं। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी ने कृषि विज्ञान केंद्र की सराहना करते हुए कहा कि विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढ़ा है। साथ ही खेतिहर मजदूरों की कमी की वजह से यह एक आवश्यकता भी बन गई है। ऐसे में कटाई मड़ाई के लिए कंबाइन हार्वेस्टर का प्रचलन बहुत तेजी से बढ़ा है जिसकी वजह से भारी मात्रा में फसल अवशेष खेत में पड़ा रहता है। मृदा विज्ञानी डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की विधियों की जानकारी किसानों को धीरे-धीरे हो रही है उन्होंने कहा कि फसल प्रबंधन हेतु किसानों में अब जागरूकता बढ़ी है डॉक्टर खान ने बताया कि फसल अवशेष जलाने से 100व प्रतिशत नत्रजन, 25प्रतिशत फास्फोरस, 20 प्रतिशत पोटाश और 60प्रतिशत सल्फर का नुकसान होता है। कार्यक्रम का सफल संचालन गृह वैज्ञानिक डॉक्टर निमिषा अवस्थी द्वारा किया गया। अध्यक्ष संबोधन करते हुए सीएसए के पशुपालन वैज्ञानिक डॉक्टर एस् एल वर्मा ने किसानों का स्वागत करते हुए कहा कि वालों को छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर वास्तु से उपचारित कर चारा के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है फसल

अवशेषों का मशरूम की खेती में सार्थक प्रयोग किया जा रहा है उन्होंने किसानों से अपील की है कि वह फसल अवशेष प्रबंधन के उपायों को अवश्य अपनाएं इस अवसर पर उपनिदेशक कृषि कानपुर नगर श्री अरुण चौधरी, वैज्ञानिक डॉक्टर अरुण कुमार सिंह,डॉ विनोद प्रकाश एवं कृषि विभाग के अधिकारी गण सहित 650 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

एक दिवसीय कृषि मेला एवं कृषि उद्योग प्रदर्शनी का आयोजन

कानपुर नगर(बीएनटी संवाददाता)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर द्वारा दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डॉ पीके राठी एवं उप निदेशक कृषि अरूण चौधरी द्वारा किया गया।

अतिथियों ने मेले प्रांगण में लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर केंद्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा ने कहा कि प्राकृतिक खेती का परीक्षण केंद्र पर सफलतापूर्वक किया जा रहा है वहीं डॉ पीके राठी ने कृषि विज्ञान केंद्र की सराहना की और कहा कि विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढ़ा है जिसके कारण खेतिहर मजदूरो की कमी की वजह से यह एक आवश्यकता भी बन गयी है। मृद वैज्ञानिक डॉ खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की विधियों की जानकारी किसानों को धीरे धीरे हो रही है। उन्होने कहा कि फसल प्रबधन हेतु किसानों में अब जागरूकता बढ़ी है। कार्यक्रम का संचालन गृह वैज्ञानिक डॉ निमिषा अवस्थी द्वारा कया गया। पशुलान वैज्ञानिक डॉ एसएल वर्मा ने कहा कि छोटे छोटे टुकडों में काटकर वास्तु से उपचारित कर चारा के रूप में प्रयोग में लाया जा सकता है। फसल अवशेषों का मशरूम की खेती में सार्थक प्रयोग किया जा रहा है। उन्होने किसानों से अपील की है कि वह फसल अवशेष प्रबंधन के उपायों को अवश्य अपनाये। इस अवसर पर डॉ अरूण कुमार सिंह, डॉ विनोद प्रकाश, कृषि विभाग के अधिकारियों सहित 650 से अधिक किसान उपस्थित रहे।

IB NEWS
सच्चाई के साथ....

दैनिक इंडियन ब्लॉक

हिन्दी दैनिक

RNI No: 62281/95

रविवार 26 फरवरी 2023

www.ibnews.live

मूल्य 2.00 रुपये पृष्ठ-8 | वर्ष : 1 अंक : 220 | कानपुर महानगर

एक दिवसीय कृषि मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन

कानपुर नगर, चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौधोगिकी विश्वविधालय कानपुर द्वारा, दलीप नगर स्थित कृषि विज्ञान केंद्र पर फसल अवशेष प्रबंधन योजना के तहत एक दिवसीय किसान मेला एवं कृषि उधोग प्रदर्शनी का आयोजन किया गया, जिसका शुभारम्भ मुख्य अतिथि सह निदेशक प्रसार डा0 पीके राठी एवं उप निदेशक कृषि अरूण चौधरी द्वारा किया गया।

अतिथियों ने मेले प्रांगण में लगे विभिन्न विभागों के स्टालों का अवलोकन किया। इस अवसर पर केंद्र की वरिश्ठ वैज्ञानिक डा0 मिथिलेश वर्मा ने कहा कि प्राकृतिक खेती का परीक्षण केंद्र पर सफलतापूर्वक किया जा रहा है वहीं डा0 पीके राठी ने कृषि विज्ञान केंद्र की सराहना की और कहा कि विगत एक दशक से खेती में मशीनों का प्रयोग बढा है जियके कारण खेतिहर मजदूरो की कमी की वजह से यह एक आवश्यकता भी बन गयी है। मृद वैज्ञानिक डा0 खलील खान ने बताया कि फसल अवशेष प्रबंधन की विधियों की जानकारी किसानों को धीरे धीरे हो रही है। उनहोने कहा कि फसल प्रबधन हेतु किसानों में अब जागरूकता ढी है। कार्यक्रम का संचालन गृह वैज्ञानिक डा0 निमिषा अवस्थी द्वारा कया गया। प्शुलान वैाानिक डा0 एसएल वर्मा ने कहा कि छोटे छोटे टुकडों में काटकर वास्तु से उपचारित कर चारा के रूप् में प्रयोग में लाया जा सकता है। फसल अवशेषों का मशरूम की खेती में सार्थक प्रयोग किया जा रहा है। उन्होने किसानों से अपील की है कि वह फसल अवशेष प्रबंधन के उपायों को अवश्य अपनाये। इस अवसर पर डा0 अरूण कुमार सिंह, डा0 विनोद प्रकाश, कृषि विभाग के अधिकारियों सहित 650 से अधिक किसान उपस्थित रहे।